हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026
बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

WORLD TOP GOOGLE REVIEW
5.0 ★★★★★ STARS
4000+ REVIEWS WORLD'S TOP GOOGLE RATED STORE
DANTESHWARI KOSA JAGDALPUR • 32 Years Since 1994

NEW COLLECTION BASTAR TRIBAL KOSA SAREE
Authentic Handloom Tussar Silk





NARAYAN DEWANGAN
DIRECTOR

100% NATURAL
Premium handloom tussar silk, natural fibers

TRADITIONAL MOTIFS
Authentic Bastar tribal art motifs, handcrafted

HANDWOVEN EXCELLENCE
Skilled artisans, time-honored weaving technique

WHY CHOOSE DANTESHWARI KOSA
• 32 Years of Trust •

- 32 Years of Trusted Craftsmanship Since 1994
- Authentic Government Certified Handloom
- Ethically Sourced, Sustainable & Eco-Friendly
- Loved by 4000+ Happy Customers Worldwide

VISIT OUR STORE
DEWANGAN TOWER, JHANKAR TALKIES CHOWK
JAGDALPUR, DIST. BASTAR (C.G.) 494001
CONTACT US
9669958990

खबर संक्षेप



मसौरा पंचायत में जल संरक्षण का संकल्प

कोण्डागांव। ग्राम पंचायत मसौरा में जल संरक्षण एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'जल जन सेवा संकल्प अभियान' के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक लता उसेंडी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और अन्य सहभागियों ने जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा पानी के महत्व को समझने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान जल शक्ति केंद्र की भूमिका और जल संरक्षण से जुड़े विभिन्न उपायों पर जानकारी दी गई। इसमें वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, जल स्रोतों के संरक्षण तथा पानी के विवेकपूर्ण उपयोग जैसे विषयों पर जोर दिया गया। अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देना और गांवों में पानी की उपलब्धता बनाए रखने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने जल संरक्षण की शपथ ली। शपथ के माध्यम से वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों की सुरक्षा और पानी की बर्बादी रोकने के लिए व्यक्तिगत एवं सामूहिक स्तर पर प्रयास करने का संदेश दिया गया। ग्राम पंचायत मसौरा में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रें में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जल संसाधनों को सुरक्षित रखने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

ओबीसी समाज ने 27 आरक्षण के लिए विधायक लता उसेंडी को सौंपा ज्ञापन



कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज द्वारा पिछड़ा वर्ग की विभिन्न मांगों को लेकर 18 अक्टूबर को बस्तर संभाग के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में विधायकों एवं सांसदों को ज्ञापन सौंपा गया। इसी क्रम में कोण्डागांव विधायक लता उसेंडी को उनके निवास पर पहुंचकर समाज की तीन सूत्रीय मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपा गया। यह कार्यक्रम जिलाध्यक्ष रैमल दीवान के नेतृत्व में हुआ। समाज की प्रमुख मांगों में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करना, राष्ट्रीय जनगणना में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की भांति अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए भी अलग कॉलम निर्धारित करना तथा पांचवीं अनुसूची एवं पेसा क्षेत्र में निवासरत मूलनिवासी समाज को भी नियमानुसार सुविधाएं एवं अधिकार उपलब्ध कराना शामिल है। ज्ञापन सौंपने के दौरान पुलिस विभाग द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इस अवसर पर संभागीय संगठन महामंत्री नीलकंठ शार्दूल, जिला महामंत्री मनोज देवांगन, मुख्य संरक्षक अमित गुप्ता, सलाहकार भारत जैन, कर्मचारी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रामदेव कौशिक, चमन वर्मा, कृष्ण मानिकपुरी जिला मीडिया प्रभारी, विकासखंड प्रमुख हरिशंकर देवांगन, आनंद पवार, डमरुधर यादव, प्रकाश सेठिया, रामरुद्र पटेल, रेवतमल देवांगन, लखेश्वर पांडे, बलदेव शार्दूल, देवेंद्र यादव, सोनधर यादव, दलेंद्र परासर एवं प्रमोद मानिकपुरी सहित पिछड़ा वर्ग समाज के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से लछनदई को मिले पांच हजार

कोण्डागांव। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के लिए आर्थिक संबल साबित हो रही है। योजना के तहत कोण्डागांव जिले के ग्राम दहिकोंगा निवासी लछनदई मंडावी को पांच हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। इस राशि से उन्हें बच्चे के जन्म के बाद उसके पूरक पोषण आहार और देखभाल संबंधी जरूरतों को पूरा करने में राहत मिली। ग्राम दहिकोंगा निवासी लछनदई मंडावी को बच्चे के जन्म के

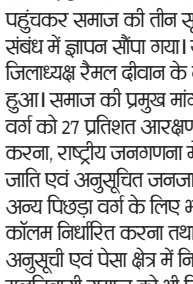

समय प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत पांच हजार रुपए की सहायता राशि प्राप्त हुई। यह राशि उनके परिवार के लिए जरूरत के समय उपयोगी साबित हुई। बच्चे के जन्म के बाद उसकी देखभाल और समुचित पोषण सुनिश्चित करना परिवार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। ऐसे समय में योजना के तहत प्राप्त राशि से लछनदई मंडावी को शिशु के पूरक पोषण संबंधी आवश्यक खर्चों को पूरा करने में सहायता मिली। प्रसव के बाद माताओं और नवजात शिशुओं की देखभाल में कई प्रकार के खर्च होते हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से मिली आर्थिक सहायता ने लछनदई मंडावी के परिवार को इन जरूरतों को पूरा करने में सहयोग प्रदान किया। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का उद्देश्य पात्र गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है।

बस्तर दशहरा के लिए मांझी-चालकी, गायता-पुजारी को बांटे वस्त्र-परिधान

विधायक लता उसेण्डी ने किया वितरण, कोण्डागांव में पांच करोड़ की लागत से बनेगा आदिवासी संस्कृति संग्रहालय

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा में शामिल होने के लिए कोण्डागांव जिले के मांझी–चालकी, गायता–पुजारी, मेंबर–मेम्बरीन एवं पटेल को पारंपरिक वस्त्र–परिधान प्रदान किए गए। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक सुश्री लता उसेण्डी, कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना और नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल सहित अन्य अतिथियों ने पारंपरिक पदाधिकारियों को वस्त्र–परिधान वितरित किए। विधायक सुश्री लता उसेण्डी ने कहा कि बस्तर दशहरा वर्षों पुरानी परंपरा और समृद्ध आदिवासी संस्कृति का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ता है। समय के साथ बदलाव स्वाभाविक है, लेकिन अपनी संस्कृति और परंपराओं को सहेजकर आगे बढ़ाना सभी की जिम्मेदारी है।

सुश्री उसेण्डी ने बस्तर दशहरा में शामिल होने वाले मांझी–चालकी, गायता–पुजारी, मेंबर–मेम्बरीन एवं पटेल को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि अपनी परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ युवाओं को भी सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ना जरूरी है, ताकि हमारी विरासत निरंतर समृद्ध होती रहे। कार्यक्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना एवं नगर पालिका अध्यक्ष पटेल ने बस्तर दशहरा में शामिल होने वाले पारंपरिक पदाधिकारियों के लिए जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की जानकारी दी। उन्होंने सभी की सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यात्रा की कामना की।



सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने की पहल

विधायक सुश्री उसेण्डी ने बताया कि कोण्डागांव में आदिवासी संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पांच करोड़ रुपए की लागत से संग्रहालय का निर्माण किया जाएगा। इस संग्रहालय के माध्यम से आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और रीति–रिवाजों को संरक्षित करने का प्रयास किया जाएगा। विधायक ने कहा कि प्रस्तावित संग्रहालय नई पीढ़ी को आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ेंगे

रायपुर-रावघाट और रायपुर-कुरूद ट्रेन सेवाओं को मिलेगी हरी झंडी

बस्तर में आज से दो नई ट्रेन सेवाओं का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणपुर

बस्तर में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार की दिशा में 20 अक्टूबर को पहल होने जा रही है। ताड़ोकी–रावघाट रेल लाइन और अभनपुर–कुरूद ब्रॉडगेज लाइन के उद्घाटन के साथ रायपुर–रावघाट तथा रायपुर–कुरूद ट्रेन सेवाओं का शुभारंभ किया जाएगा। इसी कार्यक्रम में रायपुर में इलेक्ट्रिक रेल इंजन मेंटेनेंस फैसिलिटी का शिलान्यास भी होगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। रेल कनेक्टिविटी का यह विस्तार बस्तर के परिवहन नेटवर्क को मजबूत करने और यात्रियों को आवागमन के अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध कराने की दिशा में अहम माना जा रहा है। बेहतर रेल संपर्क से राजधानी रायपुर तक पहुंच आसान बनाने, यात्रा के समय और खर्च में बचत करने तथा क्षेत्रीय व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की संभावनाएं बढ़ेंगी। कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने इस पहल को बस्तर के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आधारभूत संरचनाओं के विस्तार पर जोर दे रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार भी दूरस्थ और जनजातीय अंचलों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रयासरत है।



नारायणपुर और अबूझमाड़ तक विकास की पहुंच पर जोर

नारायणपुर और अबूझमाड़ के दूरस्थ अंचलों तक विकास की सुविधाएं पहुंचाना क्षेत्रीय विकास की बड़ी आवश्यकता है। बेहतर रेल संपर्क के साथ सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़ी सुविधाओं का विस्तार भी स्थानीय लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

मोदी-विष्णुदेव सरकार के विकास विजन में बस्तर को प्राथमिकता

मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का विकसित भारत का संकल्प तभी व्यापक रूप लेगा, जब दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों तक भी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर में कनेक्टिविटी और जनसुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। रेल और सड़क नेटवर्क का विस्तार इस विकास दृष्टि का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों ने सौंपा ज्ञापन

गिरदावरी सत्यापन कार्य से मुक्त करने की मांग



हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों ने गिरदावरी के भौतिक सत्यापन कार्य से मुक्त करने की मांग को लेकर उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं, कोण्डागांव को ज्ञापन सौंपा। अधिकारियों ने कहा कि पशुधन के स्वास्थ्य, उपचार और विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के बीच गैर–विभागीय कार्यों की जिम्मेदारी दिए जाने से मूल कार्य प्रभावित हो सकते हैं।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पशुधन विकास विभाग के अंतर्गत सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी पीपीआर टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, वत्स उत्पादन, बधियाकरण तथा पशु उपचार जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का नियमित रूप से निर्वहन कर रहे हैं। ये सेवाएं पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण और पशुपालन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक हैं। संघ का कहना है कि पशुधन के स्वास्थ्य की सुरक्षा, समय पर उपचार तथा पशुपालन से संबंधित शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। ऐसे में अधिकारियों को गिरदावरी सत्यापन जैसे गैर–विभागीय कार्यों में लगाए जाने से नियमित विभागीय गतिविधियां प्रभावित होने की आशंका है। संघ ने मांग की है कि सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों को गिरदावरी के भौतिक सत्यापन सहित अन्य गैर–विभागीय कार्यों से मुक्त किया जाए, ताकि वे अपने मूल दायित्वों का सुचारु रूप से निर्वहन कर सकें।

इस अवसर पर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार श्रीवास्तव एवं जिला अध्यक्ष राधेश्याम नेताम ने संबंधित अधिकारियों से ज्ञापन में उठाई गई मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया।

कुष्ठ प्रभावित 10 मरीजों को बांटे विशेष चप्पल और स्व-देखभाल किट

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड विश्रामपुरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कुष्ठ रोग से प्रभावित मरीजों के लिए अक्षमता एवं विकृति सुधार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 10 मरीजों को शारीरिक अक्षमता एवं विकृति से बचाव के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही उन्हें विशेष एमसीआर चप्पल और स्व–देखभाल किट वितरित की गई। शिविर के दौरान कुष्ठ रोग से प्रभावित 10 मरीजों को माइक्रो सेलुलर रबर से निर्मित विशेष चप्पल और स्व–देखभाल किट प्रदान की गई। इनका उद्देश्य मरीजों के पैरों को चोट और दबाव से बचाने तथा नियमित देखभाल में सहायता करना है। शिविर में मरीजों को कुष्ठ रोग के कारण होने वाली शारीरिक अक्षमता और विृति के जोखिम को कम करने के उपाय बताए गए। स्वास्थ्य कर्मियों ने नियमित स्व–देखभाल, आवश्यक सावधानियों और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं लेने के महत्व की जानकारी दी। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुराग भारती ने मरीजों को एमसीआर चप्पल एवं स्व–देखभाल किट वितरित की। उन्होंने मरीजों को इनके सही उपयोग की जानकारी देते हुए नियमित देखभाल करने और चिकित्सकीय सलाह का पालन करने के लिए प्रेरित किया। शिविर का आयोजन कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. हरेंद्र बघेल के निर्देशन में किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में कुष्ठ रोग उन्मूलन और प्रभावित मरीजों की देखभाल के लिए लगातार



गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित इस शिविर का उद्देश्य कुष्ठ प्रभावित मरीजों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना तथा उन्हें शारीरिक विकृति से बचाव के प्रति जागरूक करना था। नियमित देखभाल और समय पर आवश्यक उपाय अपनाने से कुष्ठ रोग के कारण होने वाली जटिलताओं के जोखिम को कम किया जा सकता है। शिविर के सुव्यवस्थित आयोजन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के एनएमए लोकेश सोनी, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर, सेक्टर सुपरवाइजर श्रवण साहू तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विश्रामपुरी के अधिकारी–कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आज विकास नगर ग्राउंड में होगा विजयदशमी कार्यक्रम



हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

शहर के विकास नगर ग्राउंड में 20 अक्टूबर को आयोजित होने वाले विजयदशमी कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर सोमवार को एसडीएम कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारियों एवं आयोजन समिति के पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में कार्यक्रम को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था, आयोजन की रूपरेखा और आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

- विजयदशमी कार्यक्रम के लिए प्रशासन और आयोजन समिति ने की तैयारी, सुरक्षा व्यवस्था पर रहेगा विशेष ध्यान

सोमवार सुबह 11.30 बजे एसडीएम कार्यालय कोण्डागांव में आयोजित बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों और आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की। बैठक का आयोजन कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में किया गया। बैठक के दौरान कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने और आवश्यक पुलिस बल की तैनाती को लेकर विचार–विमर्श किया गया। अधिकारियों ने आयोजन के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। अधिकारियों ने आयोजन समिति के पदाधिकारियों से कार्यक्रम की तैयारियों में प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखने की बात कही। कार्यक्रम के सुचारू संचालन और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक के पश्चात प्रशासनिक अधिकारियों एवं समिति के सदस्यों ने विकास नगर ग्राउंड पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान आयोजन की तैयारियों और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। जिला प्रशासन द्वारा विजयदशमी कार्यक्रम को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों ने आयोजन के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, मनोज जैन, तीरंदाजी बोर्ड के प्रदेश उपाध्यक्ष दीपेश अरोरा, कन्हैया लाल पटेल, एसडीएम किशोर शर्मा, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी रूपेश कुमार, तहसीलदार मनोज रावटे, थाना प्रभारी कोण्डागांव सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

नपं में ग्राम पटेल की नियुक्ति पर विवाद, नियमों की अनदेखी का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

नगर पंचायत केशकाल क्षेत्र में ग्राम पटेल की नियुक्ति को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। छत्तीसगढ़ भूमि राजस्व संहिता के प्रावधानों का हवाला देते हुए नियुक्ति की वैधानिकता पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। इस मामले में प्रशासनिक प्रक्रिया की पारदर्शिता और नियमों के पालन को लेकर स्पष्टीकरण की मांग की जा रही है। सवाल यह है कि नगर पंचायत क्षेत्र के



अंतर्गत ग्राम पटेल की नियुक्ति किस आधार पर की गई और इसके लिए किन कानूनी प्रावधानों का सहारा लिया गया?

इस संबंध में आपत्ति जताते हुए पूर्व विधायक कृष्ण कुमार ध्रुव ने कहा कि ग्राम पटेल का पद राजस्व प्रशासन की व्यवस्था से जुड़ा हुआ है। ऐसे में किसी क्षेत्र के नगरीय निकाय में शामिल होने के बाद वहां इस पद पर नियुक्ति की वैधानिक स्थिति स्पष्ट होना आवश्यक है। यदि नगर पंचायत केशकाल की सीमा के भीतर ग्राम पटेल की नियुक्ति की गई है, तो प्रशासन को यह बताना चाहिए कि संबंधित क्षेत्र की राजस्व स्थिति क्या है और नियुक्ति के लिए कौन-सा नियम लागू किया गया है। मामले में सबसे बड़ा सवाल नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर है। आखिर संबंधित ग्राम पटेल की नियुक्ति किस अधिकारी के आदेश से की गई? क्या नियुक्ति से पहले संबंधित क्षेत्र की राजस्व स्थिति और नगर पंचायत की सीमा से जुड़े दस्तावेजों का परीक्षण किया गया था? क्या इस संबंध में कोई सक्षम प्राधिकारी का आदेश या शासन के दिशा-निर्देश मौजूद हैं? इन सवालों का स्पष्ट जवाब सामने आने से ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। आपत्ति जताने वालों का कहना है कि यदि किसी पद पर नियुक्ति निर्धारित कानूनी प्रावधानों के विपरीत की गई है, तो उसे जारी रखना उचित नहीं होगा। इसलिए नियुक्ति से संबंधित आदेश, राजस्व अभिलेख और लागू नियमों की जांच कराई जानी चाहिए। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि नियुक्ति के लिए संबंधित अधिकारी को किस स्तर से अनुमति या अधिकार प्राप्त था। इस मामले में प्रशासन की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

पेज 11 के शेष

कन्याओं को भोज कराकर .....

भक्तिमय बना रहा और घरों में माता के जयकारे गूंजते रहे। मान्यता के अनुसार, छोटी कन्याओं को मां दुर्गा के 9 स्वरूपों का प्रतीक मानकर उनकी पूजा की जाती है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए श्रद्धालुओं ने कन्याओं के पैर धोए, तिलक लगाया और चुनरी, फल, मिठाई सहित अन्य उपहार भेंट किए। इसके बाद उन्हें श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया। कन्याओं को हलवा, पूरी, चना और अन्य पकवान परोसे गए। कन्याओं के भोजन करने के बाद श्रद्धालुओं ने उन्हें दक्षिणा देकर आशीर्वाद लिया। शहर के विभिन्न देवी मंदिरों में भी हवन, पूजा-अर्चना और प्रसाद वितरण के आयोजन हुए।

पटवारियों की हड़ताल ....

माध्यम से फसल गिरदावरी के काम में आ रही व्यावहारिक और तकनीकी समस्याओं को लेकर शासन-प्रशासन को कई बार अवगत कराया गया है। इस संबंध में 14 मई और 23 जुलाई को शासन स्तर पर बैठकें भी हुईं, लेकिन संघ के अनुसार अब तक आश्वासन के अलावा कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। इसके विपरीत, ऐप और ऑनलाइन फसल सर्वे कार्य के बहिष्कार के चलते पटवारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई किए जाने से नाराजगी बढ़ गई है।

नक्सलमुक्त क्षेत्र में....

का वातावरण मजबूत होने से धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर लोगों की आवाजाही बढ़ना सकारात्मक बदलाव का संकेत है। बीजापुर पुलिस क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ आम नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

कोई भी खिलाड़ी....

जो निर्धारित खेल होंगे उस हेतु मैदान निर्माण, आवश्यक खेल सामग्री का पूर्व से तैयारी किया जा कर सभी प्रतियोगिताओं का विकास खण्ड एवं जिला स्तर का आयोजन कर विजेता खिलाड़ियों के संभाग स्तर की प्रतियोगिताओं में सम्मिलित कराना है। यह भी निर्देशित किया गया कि विधाओं का आयोजन निर्धारित मापदण्ड के आधार पर किया जाए। कोई भी खिलाड़ी किसी भी खेल से वंचित ना हो साथ ही उनके आवास, सुरक्षा, स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण व्यवस्था करना ये आपकी जिम्मेदारी होगी। यह भी सुनिश्चित करें की आवास ऐसे चिन्हांकित करें कि खेल मैदान और आवास की दूरी कम हो जिससे खिलाड़ी समय से पूर्व ही मैदान पर उपस्थित हो सके। जिन जिलों में व्यायाम अनुदेशक की कमी हो तो सीधे संभागीय कार्यालय से संपर्क करें, ताकि आयोजन से पूर्व दुसरे जिलों के व्यायाम अनुदेशकों की ड्यूटि लगाई जा सके। अंत में संयुक्त संचालक ने कहा कि इस वर्ष के आयोजन में चुनिंदा खिलाड़ियों को तैयार करें जो राज्य, राष्ट्रीय एवं ऑलंपिक की प्रतियोगिता में भाग ले सके।



तापमान

अधिकतम 31.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि

वनांचल भूमि

रायपुर, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

10 बस्तर दशहरा के लिए मांझी-चालकी, गायता-पुजारी को ...



10 गिरदावरी सत्यापन कार्य से मुक्त करने की मांग



खबर संक्षेप

विधायक ने पुस्तक लिखने की जताई इच्छा

जगदलपुर। व्याख्याता राहुल कुमार पाण्डेय ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव को अपनी पुस्तक रुकना सीखिए भेंट की। विधायक ने लेखक को बधाई देकर स्वयं भी पुस्तक लिखने की इच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि व्यस्तता और समय की कमी के कारण फिलहाल यह संभव नहीं हो पा रहा है, हालांकि भविष्य में लिखना चाहेंगे।



परीविक्षा अवधि समाप्त शिक्षकों की सूची जारी

जगदलपुर। शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक एचआर सोम ने जारी बयान में बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग अर्न्तगत शिक्षक भर्ती 2023 में सीधी भर्ती से नियुक्त बस्तर संभाग के कुल 1139 शिक्षकों की सूची जिलेवार जारी की गई है, जिन्होंने 3 वर्ष की परीविक्षा अवधि पूर्ण कर ली है। पिछले 16 अक्टूबर 2026 को इस कार्यालय द्वारा गठित परीविक्षा अवधि समाप्ति समिति ने अनुमोदन किया है। 19 अक्टूबर को सूची जारी कर दी गई है। जिसमें टी और ई संवर्ग के शिक्षक शामिल है। उन्होंने बताया कांकेर जिले के 542 तथा 7 कुल 549, दंतेवाड़ा जिले के 63, सुकमा जिले के 67, कोंडागांव जिले के 319 तथा 6 कुल 325 नारायणपुर जिले के 83 एवं 8 कुल 91 तथा बीजापुर जिले के 44 शिक्षक शामिल है। इनकी कुल संख्या टी संवर्ग के 1118 एवं ई संवर्ग के 21 कुल 1139 हैं। जिनकी परीविक्षा अवधि समाप्त हुई है।

रिहायशी क्षेत्र में संचालित पशु आहार फैक्ट्री बंद हो



जगदलपुर। शहर के राजेन्द्र नगर वार्ड में विद्यापति स्कूल के सामने पशु आहार फैक्ट्री पिछले एक वर्ष से चल रही है। फैक्ट्री की गंदगी से बदबू के कारण स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों और वार्डवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा रहा है। वार्डवासियों ने पर्यावरण संरक्षण मंडल को दिए ज्ञापन में कहा है कि स्कूल में हमारे बच्चे पढ़ते हैं, फैक्ट्री में आने वाले मालवाहक गाड़ी से दुर्घटना का डर बना रहता हैं। वहीं फैक्ट्री से निकलने वाले पदार्थ से बच्चों को बीमार न हो जाए इसका डर बना रहता है। फैक्ट्री की आवाज एवं उड़ने वाले पदार्थ से वार्डवासी परेशान है। लोगों ने रिहायशी क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे फैक्ट्री को हटाने की मांग की है। इस सम्बन्ध में सांसद महेश कश्यप, महापौर संजय पाण्डेय तथा कलेक्टर को भी कार्रवाही के लिए पत्र भेजा है।

आधी रात को विशेष पूजा-अर्चना के साथ हुई निशा जात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर दशहरा की विशिष्ट धार्मिक परंपराओं में शामिल निशा जात्रा पूजा विधान सोमवार की रात हुई। आधी रात को आयोजित इस विशेष अनुष्ठान में देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की गई और परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार धार्मिक रस्में निभाई गई। 16 कांवड़ में देवी-देवताओं के लिए भोग पहुंचाने और पारंपरिक बलि प्रथा से जुड़ी यह रस्म प्राचीन आस्था, जनजातीय संस्कृति और शक्ति उपासना की अनूठी पहचान है। निशा जात्रा महत्वपूर्ण रस्मों में है। इतवारी बाजार में स्थित पूजा मंडप में विशेष पूजा-अर्चना की गई। अनुष्ठान में राजपरिवार के सदस्यों और पुजारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। रात के समय संपन्न होने के कारण इस धार्मिक आयोजन को निशा जात्रा कहा जाता हैइस विधान के दौरान परंपरागत मान्यताओं के अनुरूप देवी-देवताओं का पूजन किया जाता है।

16 कांवड़ में पहुंचाया गया देवी-देवताओं का भोग







कन्याओं को भोज कराकर व्रतियों ने खोला 9 दिनों का उपवास



जगदलपुर। शक्ति की आराधना, आस्था और भक्ति के 9 दिनों के पर्व शारदीय नवरात्रि का सोमवार को हवन, कन्या पूजन और भोग-प्रसाद वितरण के साथ समापन हो गया। सुबह से ही शहर के देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। वहीं घरों में भी विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। नवरात्रि के अंतिम दिन देवी स्वरूपा कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया और दक्षिणा व उपहार भेंट किए गए। कन्या पूजन के बाद व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने अन्न ग्रहण कर अपना 9 दिवसीय व्रत खोला। सोमवार को सुबह 10.51 मिनट से नवमीं तिथि प्रारंभ होने के साथ ही मंदिरों और घरों में धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने माता रानी की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और आरोग्य की कामना की। कई घरों में हवन का आयोजन किया गया, जिसमें वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आहुतियां देकर देवी की आराधना की गई। हवन के दौरान वातावरण ⏭ शेष पेज 10 पर

नानगुर पुलिस ने एमसीपी लगाकर जोजल चौक में की कार्रवाई

दो स्टेट के तीन तस्कर गिरफ्तार 13.8 लाख रुपए का गांजा जब्त

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज आरोपी भेजे गए जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

ओडिशा से गांजा लाकर नानगुर के रास्ते जगदलपुर आने का प्रयास कर रहे दो राज्य के तीन तस्करों को नानगुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तस्करों के कब्जे से नानगुर पुलिस ने 13.8 लाख रूपए के गांजा के अलावा मोबाईल, बाईक व नगद रकम बरामद किया है।

गांजा तस्करी की सूचना पर एसपी शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश, एएसपी सुखनंदन सिंह राठौर के मार्गदर्शन व एसडीओपी केशलूर लक्ष्मण पोटाई के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी नानगुर पीएसआई नागेंद्र कुमार सिंह एवं निरीक्षक गणेश यादव के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। गांजा तस्करों द्वारा पुलिस से बचने के लिए नानगुर के रास्ते से गांजा की तस्करी की जा रही थी।

निरीक्षक गणेश यादव ने बताया कि गांजा तस्करों को गिरफ्तार करने के लिए ग्राम जोजल चौक में एमसीपी लगाकर वाहनों की तलाशी ली जा रही थी इसी दौरान ओडिशा की बाईक क्रमांक ओडी 10 एबी 3524 को रोककर तलाशी ली गई। आरोपी ओडिशा से नानगुर के रास्ते जगदलपुर की ओर अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करते मिले। आरोपियों के कब्जे से 26.160 किलो गांजा कीमत 13 लाख 8 हजार के अलावा एक पुराना इस्तेमाली टच स्क्रीन मोबाइल एवं एक कीपैड फोन कीमत 6500 रूपए, बाइक कीमत 70 हजार समेत 13 लाख 89 हजार 690 रूपए की संपति जब्त की गई।



गिरफ्तार आरोपी ओडिशा व एमपी के

मामले में नानगुर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें सादन शाहा 48 वर्ष निवासी ग्राम पंगाम जिला मल्कानगिरी ओडिशा के अलावा इंद्रपाल जायसवाल 25 वर्ष निवासी गांव दरीमाडोल थाना मड़वास जिला सिधी एमपी व राजबहादुर सिंह गोड़ 46 वर्ष निवासी ग्राम कुसमहर थाना सेमरिया जिला सिधी एमपी शामिल हैं। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से सभी को न्यायिक रिमाण्ड में जेल भेजा गया।

मध्यप्रदेश निर्मित 5 लाख से अधिक की शराब बरामद, एक गिरफ्तार

75 पेटी में रखा अवैध अंग्रेजी शराब गोवा व्हीस्की का 3750 बाटल जब्त



कोड़ेनार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मावलीभाटा के जहाजभाटा पारा में दबिश देकर लाखों रूपए की 75 पेटी मध्यप्रदेश निर्मित अंग्रेजी शराब जब्त की है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। अवैध शराब बेचे जाने की सूचना पर कार्रवाई करते एसपी शलभ कुमार सिन्हा व एएसपी सुखनंदन राठौर के मार्गदर्शन व एसडीओपी केशलूर लक्ष्मण सिंह पोटाई के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी विजय पटेल के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। टीम द्वारा ग्राम मावलीभाटा के जहाजभाटा पारा निवासी दुलगो कवासी 45 वर्ष के घर पर रेड कार्रवाई की गई। आरोपी के घर की तलाशी में 75 पेटी शराब जब्त की गई। जब्त 3750 बाटल में रखा 675 लीटर शराब की कीमत 5 लाख 6 हजार 250 रूपए आंकी गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ धारा 34 (2) 36,59 (क) छग आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड में जेल भेजा गया।

दशहरा मेला में खपाने की थी साजिश

निरीक्षक विजय पटेल ने बताया कि आरोपी से पूछताछ में पता लगा कि एमपी निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब दशहरा मेला मड़ई में खपाने के लिए लाया गया था। त्वरित कार्रवाई में निरीक्षक विजय पटेल के अलावा पीएसआई दीपक कुमार बखला, एएसआई श्रवण कुमार कश्यप, आरक्षक सुरेश आचले, रोहित वेट्टी, मोहन बघेल, गोविन्द ठाकुर, मुरलीधर कश्यप एंव थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पटवारियों की हड़ताल जारी

पीवी ऐप की खामियों और दंडात्मक कार्रवाई का विरोध



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

पीवी ऐप की तकनीकी खामियों, दंडात्मक कार्रवाई और लंबित मांगों को लेकर पटवारी संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल सोमवार को सातवें दिन भी जारी रही। 13 अक्टूबर से मंडी प्रांगण में धरने पर बैठे पटवारी अपनी मांगों के निराकरण की मांग कर रहे हैं। संघ का कहना है कि अब तक शासन-प्रशासन की ओर से उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई है। ऐसे में आंदोलन को आगे बढ़ाने के साथ ही संघ आगामी दिनों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराने की योजना बना रहा है। संघ का कहना है कि पीवी ऐप के ⏭ शेष पेज 10 पर

■ प्रशासन की ओर से अब तक पहल नहीं

पीवी ऐप की खामियों से कामकाज प्रभावित

संघ के अनुसार पटवारियों से डिजिटल क्रॉप सर्वे, ई-सेटलमेंट, किसान पंजीयन, बकेट क्लेम, जनगणना, वरासत, लघु सिंचाई, रेलवे सर्वे, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र और स्वामित्व योजना सहित 15 से 20 पोर्टल पर काम लिया जा रहा है। इसके बावजूद पीवी ऐप में नक्शे और खसरा विभाजन से संबंधित त्रुटियां, सैटेलाइट लोकेशन नहीं मिलने, सर्वर डाउन होने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या के कारण फील्ड में काम करने में परेशानी आ रही है। वहीं, ओसीएस और ऑनलाइन फसली ऐप पर अलग-अलग जानकारी दर्ज करने से काम का बोझ भी बढ़ रहा है। संघ की मांग है कि पीवी ऐप की तकनीकी खामियों को दूर कर व्यवस्था को व्यावहारिक बनाया जाए। जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होता, तब तक पीवी ऐप के माध्यम से फसल गिरदावरी का काम नहीं किया जाएगा।

भद्राकाली माता मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही में लगातार वृद्धि

नक्सलमुक्त क्षेत्र में आस्था और विश्वास का बढ़ता कारवां

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



बीजापुर जिले के भद्रकाली मंदिर में माता के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। नक्सलमुक्त होने के बाद यह पहला अवसर है जब श्रद्धालु बेखौफ माता भद्रकाली के दर्शन के लिए आ रहे हैं। वहीं श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए बीजापुर पुलिस व थाना भद्राकाली के जवान सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। गौरतलब है कि क्षेत्र के नक्सल मुक्त होने के बाद और शांति का वातावरण स्थापित होने के साथ ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। इसी सकारात्मक बदलाव के बीच प्रसिद्ध भद्राकाली माता मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। नवरात्रि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही को ध्यान में रखते हुए बीजापुर पुलिस द्वारा सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं। थाना भद्राकाली से पुलिस जवानों की ड्यूटी लगाई गई है जो मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षित आवागमन पर नजर रख रहे हैं। मंदिर समिति द्वारा भी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई है ताकि दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बीजापुर एसपी उमेश प्रसाद गुप्ता ने कहा कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विश्वास ⏭ शेष पेज 10 पर

बड़ांजी की सामुदायिक वन भूमि पर अतिक्रमण का मामला गरमाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



ग्राम बड़ांजी, तहसील लोहण्डीगुड़ा में सामुदायिक वन पट्टा भूमि खसरा नंबर 1076, रकबा 0.27 हेक्टेयर पर कथित अवैध कब्जे और अतिक्रमण के मामले में ग्रामवासियों ने 5 सगे भाइयों के विरुद्ध निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) एवं बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष तथा मुख्य संयोजक नवनीत चांद के आह्वान पर ग्रामीण अध्यक्ष संतु कश्यप ग्रामीणों के बीच पहुंचे। ग्रामीणों के अनुसार, विवादित भूमि गांव के सामुदायिक उपयोग और निस्तार से जुड़ी हुई है। ग्रामवासियों का कहना है कि अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पारंपरिक वन अधिनियम, 2006 के अंतर्गत गांव को सामुदायिक वन अधिकार प्राप्त हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि उक्त भूमि पर कब्जा कर सामुदायिक अधिकारों को प्रभावित किया जा रहा है।ग्रामीणों ने जांच की मांग की है। इनमें से 2 व्यक्तियों के शासकीय सेवा में होने की बात भी आवेदन में कही गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि शासकीय पद पर कार्यरत व्यक्तियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। ग्रामीणों के अनुसार, विवादित भूमि पर शासन की सहायता से ग्रामवासियों के उपयोग के लिए सामुदायिक भवन का निर्माण कराया गया है। आरोप है कि भवन के पास 2 कमरों का अस्थायी ढांचा बनाया गया है, जिससे सामुदायिक भूमि और भवन के उपयोग पर असर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से स्थल निरीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

जनप्रतिनिधियों और किसान को परेशान करने का आरोप

ग्रामवासियों ने आरोप लगाया है कि भूमि विवाद का विरोध करने पर सरपंच सुमित्रा भारद्वाज, पूर्व उपसरपंच नरेंद्र भारद्वाज एवं स्थानीय कृषक रूपेन्द्र मांझी को न्यायालयीन मामलों में उलझना पड़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस विवाद के कारण संबंधित लोगों को लंबे समय से मानसिक, आर्थिक और सामाजिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने पूरे मामले की जांच कर सच्चाई सामने लाने की मांग की है।ग्रामीणों ने यह भी बताया कि इस संबंध में 18 मार्च 2024 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), लोहण्डीगुड़ा को लिखित आवेदन दिया गया था, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।



बस्तर ऑलंपिक के आयोजन पर संयुक्त संचालक शिक्षा ने ली बैठक, दिए जरूरी निर्देश

कोई भी खिलाड़ी किसी भी खेल से वंचित ना हो



जगदलपुर। संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग बस्तर ने संभाग स्तरीय व्यायाम अनुदेशकों की बैठक ली। प्रथम पाली में बस्तर, दन्तेवाड़ा, बीजापुर एवं सुकमा जिले के 167 व्यायाम अनुदेशक तथा द्वितीय पाली में कांकेर, कोण्डागांव एवं नारायणपुर जिलों के 192 व्यायाम अनुदेशक सम्मिलित हुए। जिन्हें निर्देशित किया गया कि बस्तर ऑलंपिक का आयोजन एक वृहद आयोजन है। इस आयोजन में ग्रामीण, पंचायत, विकास खण्ड एवं जिला स्तर पर अधिक से अधिक खिलाड़ियों का पंजीयन करना आवश्यक है, ⏭ शेष पेज 10 पर





खबर संक्षेप

बस्तर के एमआरएफ प्लांट को मिला जेड ब्रॉन्ज सर्टिफिकेट

बस्तर। स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बस्तर जिले ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। बस्तर स्थित मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) प्लांट को जेड ब्रॉन्ज सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है, जिसे छत्तीसगढ़ में एमआरएफ प्लांट के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। यह उपलब्धि अतिरिक्त कलेक्टर यशवंत नायक के निर्देशन एवं मार्गदर्शन तथा सीएमओ तरुण पाल लहरे के सहयोग और प्रयासों से जुड़ी है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था को बेहतर बनाना, कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान करना और पर्यावरण के अनुकूल कार्यप्रणाली को प्रोत्साहित करना है।
जेड का पूरा नाम जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट है। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय की इस पहल के अंतर्गत उद्यमों की गुणवत्ता, उत्पादन प्रक्रिया, सुरक्षा, स्वच्छता, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरणीय प्रभाव जैसे पहलुओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया जाता है। इस प्रमाणन के तीन प्रमुख स्तर हैं, जिसमें ब्रॉन्ज प्रमाणन प्रारंभिक स्तर है जो गुणवत्ता, स्वच्छता, सुरक्षा और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार कार्यप्रणाली की बुनियादी आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करता है। इसके बाद सिल्वर मध्यवर्ती स्तर है जो प्रक्रियाओं में सुधार व बेहतर गुणवत्ता नियंत्रण पर केंद्रित है, जबकि गोल्ड उच्च स्तर है जिसमें व्यापक स्तर पर पर्यावरणीय प्रदर्शन को सुधारा जाता है।

समय-सीमा में कार्य पूर्ण करें नहीं तो होगी कार्रवाई

जगदलपुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज-1 के अंतर्गत शेष रह गए अपूर्ण कार्यों को गति देने और निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने के उद्देश्य से बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।
छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, रायपुर के प्रमुख अभियंता केके कटारे ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य तय समय में पूरे किए जाएं, अन्यथा संबंधितों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।
भारत सरकार द्वारा पीएमजीएसवाई फेज-1 के अपूर्ण कार्यों को पूर्ण करने हेतु मार्च 2027 की अंतिम समय-सीमा निर्धारित की गई है। इसी अनुक्रम में बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा, सुकमा एवं बीजापुर जिलों में प्रगतिरत कार्यों की सड़कवार गहन समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान प्रमुख अभियंता ने संभाग के कुल 125 अपूर्ण कार्यों जिसमें 83 पूर्व अनुबंधित और 42 नवीन अनुबंधित कार्य शामिल हैं। इन सभी कार्यों के लिए माहवार लक्ष्य निर्धारित करते हुए मार्च 2027 तक समस्त निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।
बैठक में अधीक्षण अभियंता द्वारिका प्रसाद भुआर्य, कार्यपालन अभियंता रवींद्र ताती, वैभव देवांगन, रूपेन्द्र भुआर्य, अनिल बरेठ सहित संबंधित ठेकेदार उपस्थित रहे। प्रमुख अभियंता ने सभी अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को निर्माण में तेजी लाने के निर्देश जारी किए।

काली मंदिर से रामाराम धाम तक नौ किलोमीटर पैदल चले सैकड़ों श्रद्धालु

सुकमा में पहली बार देवी पदयात्रा, 55 मीटर लंबी चुनरी चढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

आस्था की डोर, भक्ति का भाव और मां के जयकारों से पूरा सुकमा भक्तिमय हो उठा। बस्तर की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को नई पहचान देते हुए जिले में पहली बार भव्य देवी चुनरी पदयात्रा निकाली गई। बस्तर क्षितिज सामाजिक सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस अनूठी यात्रा में श्रद्धालु 55 मीटर लंबी चुनरी लेकर सुकमा के काली मंदिर से लगभग नौ किलोमीटर दूर स्थित माता चिटमिटीन अम्मा रामारामिन के दरबार तक पैदल पहुंचे। रास्ते भर गूंजते जय माता दी के जयघोष, पारंपरिक मोहरी बाजा और देवी गीतों ने माहौल को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। रामाराम धाम पहुंचकर श्रद्धालुओं ने माता के चरणों में चुनरी अर्पित की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति तथा खुशहाली की कामना की।

- अधिवक्ता दीपिका सोरी ने अर्पित किया छप्पन भोग भंडारे और भजन-कीर्तन में उमड़े लोग

सुकमा में पहली बार आयोजित इस चुनरी पदयात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। शाम करीब पांच बजे सुकमा के काली मंदिर से यात्रा प्रारंभ हुई। हाथों में 55 मीटर लंबी चुनरी थामे महिला, पुरुष, युवा, बच्चे और बुजुर्ग एक साथ माता के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। तोंगपाल से लेकर कोंटा तक के श्रद्धालुओं ने इस आयोजन में सहभागिता निभाई। पदयात्रा के दौरान स्थानीय मोहरी बाजा और देवी गीतों की मधुर धुनों ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ लगभग नौ किलोमीटर का सफर तय करते रहे। रात करीब आठ बजे पदयात्रा रामाराम धाम पहुंची। यहां विधि-विधान से 55 मीटर लंबी चुनरी माता रामारामिन को अर्पित की गई। सुकमा में पहली बार निकली इस तरह की चुनरी यात्रा ने धार्मिक आस्था के साथ सामूहिक सहभागिता की भी मिसाल पेश की।

भंडारे और भजन-कीर्तन में भक्तिमय हुआ रामाराम धाम





अर्पित किया छप्पन भोग

बस्तर क्षितिज सामाजिक सेवा समिति की संस्थापिका एवं अधिवक्ता दीपिका सोरी ने माता रामारामिन को विधि-विधान से छप्पन भोग अर्पित किया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। धार्मिक अनुष्ठान में शामिल भक्तों ने माता से बस्तर अंचल में शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की। आयोजन में पूजा-अर्चना के साथ सेवा, समर्पण और सामाजिक एकता का भाव भी प्रमुखता से दिखाई दिया।

पदयात्रा मां के प्रति हमारी श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक

दीपिका सोरी ने कहा कि सुकमा में पहली बार निकली यह चुनरी पदयात्रा मां के प्रति हमारी श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है। हमारा उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ समाज के लोगों को एक सूत्र में जोड़ना और बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाना है। मां रामारामिन से प्रार्थना है कि सुकमा सहित पूरे बस्तर में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहे।

भंडारा और भजन-कीर्तन

चुनरी अर्पण और छप्पन भोग के बाद रामाराम धाम परिसर में भव्य भंडारे तथा भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। माता के भजनों पर भक्तिभाव से झूमते श्रद्धालुओं के बीच पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय नजर आया। सामूहिक प्रसाद वितरण ने आपसी सद्भाव, सामाजिक समरसता और सेवा भावना का संदेश दिया।

एकजुटता से जोड़ने का प्रयास

बस्तर क्षितिज सामाजिक सेवा समिति की इस पहल ने धार्मिक आयोजन को सामाजिक एकजुटता से जोड़ने का प्रयास किया। आयोजन में समिति के सदस्य संजय सिंह भदौरिया, गौरव राठौर, रेखा सोरी, अनुपमा ठाकुर, राजू राठौर, पुष्पलता भदौरिया और अमन भदौरिया सहित अनेक लोगों ने सहयोग दिया। इसके अलावा मनोज देव, गुप्तेश्वर गंगबेर, राम नारायण मिश्र, अरुण मिश्रा, भुवनेश्वरी यादव, नर्मदा मैडम, व्यवसायी राजू भैया, युवराज ठाकुर, पंकज सोलंकी, अमित नाग, दीपक नेताम, ललित गांधी, राजकिशोर यादव तथा विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष अनिल टावरी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों और श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई।

धार्मिक गतिविधियों में नई पहल

छप्पन भोग, भंडारा और भजन-कीर्तन के साथ संपन्न यह आयोजन सुकमा की धार्मिक-सांस्कृतिक गतिविधियों में एक नई पहल के रूप में सामने आया। मां रामारामिन के दरबार में गूंजते जयकारों ने श्रद्धालुओं के उत्साह को और बढ़ाया। इस आयोजन ने संदेश दिया कि आस्था केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक एकता के माध्यम से भी अभिव्यक्त होती है।

सीआरपीएफ ने संगमपल्ली में चलाया 'फिट इंडिया' अभियान युवाओं ने लगाई दौड़



हरिभूमि न्यूज ⏭ मद्देड़

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल देश की आंतरिक सुरक्षा संभालने के साथ-साथ आम जनता के कल्याण और स्वास्थ्य के प्रति भी समर्पित है। इसी कड़ी में सीआरपीएफ की 22वीं वाहिनी की ए-कंपनी ने बीजापुर जिले के संगमपल्ली क्षेत्र में 'फिट इंडिया' अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। 'फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज' थीम पर आधारित इस पहल का मुख्य मकसद सुदूर ग्रामीण अंचलों के लोगों और युवाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें शारीरिक रूप से फिट रहने के लिए प्रेरित करना था।

- जवानों ने दिया सेहतमंद रहने का गुरुमंत्र

कार्यक्रम के दौरान संगमपल्ली के स्थानीय युवाओं और स्कूली बच्चों में गजब का उत्साह देखने को मिला। उनकी सक्रिय सहभागिता ने इस आयोजन को बेहद सफल बना दिया। जवानों के साथ कदम से कदम मिलाकर युवाओं और बच्चों ने लंबी दौड़ लगाई और विभिन्न शारीरिक व्यायाम किए। खेलकूद के इस माहौल ने पूरे गांव में एक नया जोश भर दिया।

दौड़ और व्यायाम के बाद ए/22 बटालियन के अधिकारियों ने उपस्थित ग्रामीणों को स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली अपनाने का मार्गदर्शन दिया। जवानों ने मुख्य रूप से नियमित व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाने, शरीर को मजबूत रखने के लिए संतुलित व पौष्टिक आहार लेने और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने पर बल दिया। इसके साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य के लिए हानिकारक फास्ट फूड और अस्वस्थ खान-पान से पूरी तरह दूर रहने की हिदायत दी।

सुरक्षा बलों और जनता के बीच बढ़ा भरोसा

इस अनूठी पहल में स्थानीय ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस प्रकार के आयोजनों से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है, बल्कि सुरक्षा बलों और आम जनता के बीच आपसी विश्वास, भाईचारा और मधुर संबंध भी मजबूत हो रहे हैं। सीआरपीएफ का यह मानवीय चेहरा बस्तर अंचल में सुरक्षा के साथ-साथ सकारात्मक बदलाव की नई कहानी लिख रहा है।

दुर्गा मंदिर में भव्य दीप यज्ञ, मंत्रोच्चार से गूंजा परिसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ मद्देड़

शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर बीजापुर जिले के भोपालपटनम तहसील अंतर्गत ऐतिहासिक और धार्मिक गांव मद्देड़ स्थित दुर्गा मंदिर में महासप्तमी के अवसर पर भव्य दीप यज्ञ का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में महिला भक्तों और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और मां दुर्गा व वेदमाता गायत्री की आराधना की।

- महासप्तमी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, कलावा बांधकर दिया भाईचारे का संदेश



दीप यज्ञ का शुभारंभ गायत्री परिवार की पुरोहित शांता मरकाम के मार्गदर्शन में पूरी विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ किया गया। गुरु वंदना के पश्चात जगत जननी वेदमाता गायत्री माता का स्मरण कर पूजन की शुरुआत हुई। कलश पूजन के दौरान श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर आपसी सौहार्द, स्नेह और भाईचारे का संदेश दिया।

दीपों से जगमगाया मंदिर

इस विशेष दीप यज्ञ में महिलाओं और युवतियों द्वारा घरों से लाए गए आटे के दीपकों को पंक्तिबद्ध कर प्रज्वलित किया गया। इससे पूरा मंदिर परिसर दीपों की अलौकिक रोशनी से जगमगा उठा। पुरोहित शांता मरकाम ने श्रद्धालुओं को वेदमंत्रों के माध्यम से सगा-संबंधियों और मित्रों के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना कराई।

बुराइयों के त्याग का संकल्प

इस दौरान शांता मरकाम ने संदेश दिया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने भीतर की बुराइयों, अहंकार और दुर्गुणों का संकल्प पूर्वक त्याग करना चाहिए, ताकि एक सकारात्मक समाज का निर्माण हो सके। कार्यक्रम के अंतिम चरण में आरती के पश्चात प्रसाद वितरण के साथ दीप यज्ञ का समापन हुआ। इस आयोजन से पूरा क्षेत्र भक्तिमय नजर आया।

एसबीआई में पेंशन शिकायत निवारण शिविर, वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

पेंशनधारकों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएं देने, समस्याओं का समाधान करने और वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए भारतीय स्टेट बैंक की शाखा ने सराहनीय पहल की है। विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत शाखा परिसर में पेंशन शिकायत निवारण शिविर आयोजित किया गया। इसमें जिले के लगभग 60 पेंशनधारकों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं रखीं और बैंकिंग सुविधाओं की जानकारी ली।

- विशेष अभियान 6.0 के तहत पेंशनधारकों की समस्याओं का हुआ मौके पर निराकरण



अलग काउंटर की व्यवस्था

नवंबर माह में जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की प्रक्रिया को देखते हुए सुकमा शाखा में अलग काउंटर खोलने की जानकारी दी गई, जिससे बुजुर्गों को सुविधा होगी। दिव्यांग व असमर्थ पेंशनधारकों के लिए डोरस्टेप बैंकिंग तथा डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की प्रक्रिया समझाई गई। डिजिटल प्रक्रिया के लिए आधार को बैंक खाते और पीपीओ से लिंक कराने की सलाह दी गई। शिविर में शामिल पेंशनधारकों ने बैंक के इस जनहितैषी प्रयास की सराहना की।

शिविर में एसबीआई के अधिकारियों ने पेंशनधारकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनके निराकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। इस दौरान 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ पेंशनधारकों और महिला पेंशनधारकों को सम्मानित कर उनके प्रति आदर और संवेदनशीलता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में सीपीपीसी रायपुर के मुख्य प्रबंधक वाई. गोपाल कृष्ण, अग्रणी जिला प्रबंधक मनीष कुशरो तथा एसबीआई शाखा सुकमा के शाखा प्रबंधक सुशांत वर्मा उपस्थित रहे। अधिकारियों ने पेंशनधारकों को कॉमप्रिहेंसिव पेंशन पैकेज योजना के तहत बीमा लाभों व अन्य विशेष सुविधाओं की जानकारी दी। साथ ही उन्हें शाखा से संपर्क कर खाते में सीसीपी पंजीकरण की स्थिति जांचने की सलाह दी।

बिजनेस साइट

जगदलपुर महिंद्रा शोरूम में त्योहारी ऑफर एसयूवी पर 1.25 लाख तक का लाभ



जगदलपुर। त्योहारों के इस खास अवसर पर महिंद्रा एंड महिंद्रा ग्राहकों के लिए अपनी लोकप्रिय एसयूवी श्रेणी के साथ आकर्षक त्योहारी ऑफर लेकर आया है। इस अभियान के तहत ग्राहक महिंद्रा की चुनिंदा एसयूवी खरीदने पर 1.25 लाख तक का अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकते हैं। कंपनी का उद्देश्य ग्राहकों को त्योहारों के दौरान अपनी पसंदीदा गाड़ी घर लाने का शानदार अवसर प्रदान करना है।

- थार, स्कॉर्पियो और एक्सयूवी सहित कई दमदार मॉडलों पर मिल रही छूट

महिंद्रा की दमदार एसयूवी श्रेणी में थार, स्कॉर्पियो, एक्सयूवी 7एक्सओ, एक्सयूवी 3एक्सओ, थार रॉक्स और बोलेरो नियो जैसे मॉडल ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। इन वाहनों में दमदार बनावट, आधुनिक विशेषताएं और बेहतर ड्राइविंग अनुभव का बेहतरीन संयोजन देखने को मिलता है।

जगदलपुर स्थित महिंद्रा शोरूम बीआर बालाजी एलएलपी में ग्राहक विभिन्न मॉडलों, उपलब्ध ऑफरों और वित्त (फाइनेंस) विकल्पों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यहाँ ग्राहक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार उपयुक्त वाहन का चयन कर सकते हैं। हालांकि, ऑफर की वास्तविक राशि मॉडल, प्रकार, स्टॉक और नियमों के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।

माहरा समाज ने प्रवेश द्वार की स्वीकृति पर जताया आभार



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव से उनके सरकारी कार्यालय में सोमवार को भेंट करने शहर के विभिन्न समाज, संगठन एवं भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता के अलावा क्षेत्र की जनता पहुंचे। लोग स्वास्थ्य की जानकारी लेकर जल्द स्वस्थ होने की कामना की। विधायक से लोग कई विषयों पर चर्चा की। माहरा समाज के पदाधिकारियों ने प्रवेश द्वार स्वीकृति कराने के लिए धन्यवाद व आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की मांग पर विधायक ने समाज की महत्वपूर्ण मांग को पूरा करते प्रवेश द्वार की स्वीकृति दिलाई।

संवैधानिक अधिकारों और उचित प्रतिनिधित्व के लिए संभागभर में एकजुट हुआ समाज

सर्व पिछड़ा वर्ग समाज का हल्लाबोल, विधायक को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ घाटलोहंगा

छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज, बस्तर संभाग द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग की न्यायसंगत एवं संवैधानिक मांगों को लेकर संभाग के विभिन्न जिला मुख्यालयों में विशाल एवं शांतिपूर्ण एक दिवसीय धरना प्रदर्शन व अधिकार रैली का आयोजन किया गया। इसी क्रम में समाज के प्रतिनिधिमंडल ने बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल के कार्यालय पहुंचकर उन्हें मांगों का ज्ञापन सौंपा तथा अपनी समस्याओं को विस्तारपूर्वक उनके समक्ष रखा।



समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी 52 प्रतिशत से अधिक होने के बावजूद समाज को समान संवैधानिक अधिकार एवं उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है। इसी कारण पूरे समाज में भारी असंतोष है। त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों में प्रभावित हो रहे प्रतिनिधित्व तथा आगामी राष्ट्रीय जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए स्पष्ट प्रावधान नहीं होने को लेकर समाज ने गहरी चिंता व्यक्त की।

प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को ज्ञापन सौंपते हुए प्रमुख रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग समाज को 27 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने और इस व्यवस्था को संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। इसके साथ ही राष्ट्रीय जनगणना में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की तरह अन्य पिछड़ा वर्ग समाज के लिए भी पृथक कॉलम निर्धारित कर जातिगत जनगणना कराने की बात कही। समाज की ओर से मांग की गई कि 5वीं अनुसूची के तहत समस्त मूलनिवासी समाज को मिलने वाले लाभ एवं सुविधाओं का समुचित लाभ ओबीसी को भी दिया जाए। बस्तर संभाग के अन्य पिछड़ा वर्ग समाज के लोगों ने स्वयं को बस्तर का मूल निवासी बताते हुए कहा कि उनकी संस्कृति, परंपराएं, खान-पान और रीति-रिवाज यहां के आदिवासी समाज से काफी हद तक जुड़े हुए हैं। ऐसे में उनकी संस्कृति, जमीन एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए उचित संरक्षण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। समाज ने स्वशासन के अधिकार तथा पेसा कानून के अंतर्गत ओबीसी समुदाय को भी शामिल किए जाने की पुरजोर मांग रखी।

इस दौरान छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज बस्तर संभाग के पदाधिकारी, विभिन्न जिलों से पहुंचे समाज के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

विधायक ने दिया आश्वासन

ज्ञापन प्राप्त करते हुए विधायक ने ओबीसी समाज के प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से सुना। उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रखने की पहल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बस्तर की धरती पर निवास करने वाला प्रत्येक समाज हमारे लिए महत्वपूर्ण है। आरक्षण, जातिगत जनगणना, प्रतिनिधित्व एवं संवैधानिक संरक्षण जैसे विषय समाज के व्यापक अधिकारों और भविष्य से जुड़े हैं। जहां कहीं भी सामाजिक न्याय की बात होगी, वहां इस आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा।

विधानसभा में रखेंगे विषय

विधायक ने आश्वस्त किया कि वे ज्ञापन में उल्लेखित मांगों का अध्ययन कर आवश्यकतानुसार इन्हें विधानसभा एवं शासन के समक्ष रखने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि बस्तर मेरा परिवार है और किसी भी वर्ग को अपने अधिकारों के लिए स्वयं को अकेला महसूस करने की आवश्यकता नहीं है।

खबर संक्षेप

नवरात्रि पर विशाल भंडारे का आयोजन



गीदम। बाबा रामदेव मंदिर समिति द्वारा शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। नवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित इस भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में श्रद्धालुओं को हलवा, पूड़ी और सब्जी का प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर समिति के सदस्यों ने स्वयं प्रसाद वितरण में सहयोग किया और श्रद्धालुओं की सेवा की। सुबह से शाम तक चले इस भंडारे में गीदम सहित आसपास के गांवों से आए श्रद्धालु शामिल हुए। आने-जाने वाले श्रद्धालुओं और पदयात्रियों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर आयोजन की सराहना की और मंदिर समिति के सेवा भाव की प्रशंसा की। भंडारे के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा। गौरतलब है कि नवरात्रि के दौरान गीदम क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है, जो क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है। बाबा रामदेव मंदिर समिति द्वारा प्रतिवर्ष इस प्रकार के आयोजन किए जाते हैं, जिससे सामाजिक एकता और धार्मिक भावना को बल मिलता है।

डीएवी करमरी के 10 खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दिखाएंगे दम

बस्तर। बस्तर जिले के खेल जगत और शिक्षा क्षेत्र के लिए एक बेहद गौरवशाली खबर है। डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, करमरी (परचनपाल), बस्तर के 10 प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन दिल्ली में आयोजित होने वाली आगामी राष्ट्रीय स्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। ये खिलाड़ी 24 से 26 अक्टूबर तक दिल्ली में आयोजित होने वाले इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मंच पर एथलेटिक्स, नेटबॉल और कबड्डी खेलों में बस्तर और छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए अपना दमखम दिखाएंगे। विद्यालय के प्राचार्य त्रिभुवन साहू और खेल प्रशिक्षक नंद कुमार साहू की देखरेख और कुशल मार्गदर्शन में इन खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की है। प्राचार्य महोदय ने खिलाड़ियों की पीठ थपथपाते हुए कहा कि ग्रामीण और जनजातीय अंचल के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें सही मंच मिलने की आवश्यकता है। खेल प्रशिक्षक नंद कुमार साहू के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने तकनीकी रूप से अपने खेल को मजबूत किया है, जिसका परिणाम आज सबके सामने है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर डी.ए.वी. करमरी विद्यालय परिवार की ओर से सभी 10 चयनित खिलाड़ियों, उनके माता-पिता और खेल गुरुओं को हार्दिक बधाई संदेश प्रेषित किया गया है। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक-शिक्षिकाओं और साथी छात्र-छात्राओं ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई है कि वे दिल्ली में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मेडल जीतेंगे और बस्तर का नाम पूरे देश में रोशन करेंगे।

1990 से 35 वर्षों से निरंतर हो रही मां दुर्गा की स्थापना

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

- सात वर्षों से धार्मिक कथाओं के आयोजन की परंपरा
- अयोध्या से पधारे आचार्य अजीत महाराज कर रहे शिव महापुराण कथा का वाचन

धार्मिक आस्था, सनातन संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण की दिशा में पुराना बस स्टैंड स्थित नवज्योति दुर्गा उत्सव समिति ने अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। वर्ष 1990 से मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की परंपरा शुरू करने वाली समिति आज भी उसी श्रद्धा, समर्पण और उत्साह के साथ धार्मिक आयोजनों की परंपरा को आगे बढ़ा रही है। 3 दशक से अधिक समय से निरंतर जारी यह धार्मिक यात्रा बीजापुर में आस्था और सांस्कृतिक विरासत के प्रति समर्पण का परिचायक है।मां दुर्गा की आराधना से प्रारंभ हुई समिति की यह यात्रा समय के साथ धार्मिक एवं आध्यात्मिक





आयोजनों का महत्वपूर्ण माध्यम बन गई है। पिछले सात वर्षों से समिति द्वारा नवरात्रि के अवसर पर मां दुर्गा की स्थापना के साथ श्रीमद्भागवत कथा, शिव पुराण और श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। इन आयोजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को सनातन धर्म की शिक्षाओं, भारतीय संस्कृति के मूल्यों और आध्यात्मिक विचारों से जुड़ने का अवसर मिल रहा है।

इस वर्ष नवज्योति दुर्गा उत्सव समिति द्वारा शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या से पधारे आचार्य अजीत महाराज के श्रीमुख से भगवान शिव की महिमा का वर्णन किया जा रहा है। कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान भोलेनाथ की महिमा, उनकी उपासना, धार्मिक आदर्शों और आध्यात्मिक जीवन के महत्व से अवगत कराया जा रहा है।शिव महापुराण की कथा भगवान शिव के प्रति श्रद्धा को प्रगाढ़ करने के साथ ही धर्म, सदाचार, सेवा और मानवीय मूल्यों का संदेश देती है। कथा श्रवण के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक चिंतन और भक्ति का अवसर प्राप्त हो रहा है। धार्मिक आयोजनों की यह परंपरा क्षेत्र में सनातन संस्कृति के प्रति आस्था को सुदृढ़ करने में अपनी भूमिका निभा रही है।

परंपरा के साथ संस्कृति और संस्कारों का संरक्षण

नवज्योति दुर्गा उत्सव समिति की विशेषता यह है कि उसने मां दुर्गा की स्थापना की परंपरा को निरंतर बनाए रखने के साथ धार्मिक कथाओं को भी अपने आयोजनों का अभिन्न हिस्सा बनाया है। वर्ष 1990 में शुरू हुआ यह सफर आज धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक चेतना को आगे बढ़ाने का माध्यम बन चुका है। समिति द्वारा आयोजित धार्मिक कार्यक्रम भारतीय संस्कृति की उस परंपरा को दर्शाते हैं, जिसमें पूजा-अर्चना के साथ धर्म, अध्यात्म और सदाचार को विशेष महत्व दिया जाता है। मां दुर्गा की आराधना और शिव महापुराण कथा के माध्यम से श्रद्धालु अपनी धार्मिक आस्था को अभिव्यक्त कर रहे हैं।पुराना बस स्टैंड स्थित नवज्योति दुर्गा उत्सव समिति की यह पहल बीजापुर की धार्मिक एवं यूएन सांस्कृतिक पहचान को समृद्ध करने वाली परंपरा का उदाहरण है। 3 दशक से अधिक समय से मां दुर्गा की आराधना की अखंड परंपरा और पिछले 7 वर्षों से धार्मिक कथाओं के आयोजन का सिलसिला समिति की निरंतर धार्मिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

विधि विधान से की गई पूजा अर्चना, जसगीतों और जयकारों से गूंजा नगर

बस्तर दशहरा : मावली परघाव के लिए जगदलपुर रवाना हुईं माई दंतेश्वरी, गीदम में हुआ भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम



मावली परघाव रस्म के लिए बस्तर महाराज द्वारा निमंत्रण देने के बाद बस्तर की आराध्य देवी माई दंतेश्वरी विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा में शामिल होने रविवार शाम जगदलपुर की ओर रवाना हुईं। इस दौरान माई की डोली व छत्र शाम लगभग छह बजे व्यावसायिक नगरी गीदम के हारम चौक पहुंचा, जहां क्षेत्रीय देवी-देवताओं की उपस्थिति में लोगों ने भव्य स्वागत किया। हारम स्थित दुर्गा पंडाल के सामने लोग माई के छत्र व डोली का दर्शन करने लंबी कतारों में खड़े रहे। हारम में स्वागत व पूजा-अर्चना के बाद माई की डोली मुख्य मार्ग से होते हुए गीदम के पुराने बाजार परिसर स्थित माई के स्तंभ पूजा स्थल पहुंची, जहां पारंपरिक तरीके से पूजा-अर्चना कर माई के सम्मान में सलामी दी गई।

इसके पश्चात बाबा रामदेव मंदिर में लोगों ने माई की डोली व छत्र का भव्य स्वागत किया। माई के आगमन के दौरान पूरा गीदम नगर माता रानी के जसगीतों व जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान डीजे की धुन पर भी लोग जमकर थिरकते हुए नजर आए। इसके साथ ही पारंपरिक आदिवासी नर्तक दल भी माता के स्वागत के लिए यहां विशेष रूप से शामिल रहा।

हारम से फारेस्ट नाका तक उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

बाबा रामदेव मंदिर के बाद माई की डोली मुख्य मार्ग से होते हुए फारेस्ट नाका के पास साहू समाज गीदम के दुर्गा पंडाल पहुंची। हारम से लेकर नगर के अंतिम छोर तक सभी लोगों ने मां दंतेश्वरी का आत्मीय स्वागत किया। महिलाएं आरती की थाली लेकर माता के छत्र व डोली की पूजा-अर्चना करती नजर आईं। माई की डोली के स्वागत व दर्शन के लिए लोग मार्ग के दोनों तरफ बड़ी संख्या में खड़े रहे।

बस्तर दशहरा की महत्वपूर्ण रस्म है मावली परघाव

गौरतलब है कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व पर मावली परघाव की रस्म में शामिल होने माई की डोली राज परिवार के निमंत्रण के बाद रविवार को जगदलपुर की ओर रवाना हुई है। गीदम शहर पहुंचते ही जगह-जगह श्रद्धालुओं और भक्तों ने माई की डोली का पलक-पावड़े बिछाकर ऐतिहासिक स्वागत किया।

करलाकोंटा के माता हिंगलाजिन मंदिर में अष्टमी-नवमी पर हवन-पूजन और भंडारा



हरिभूमि न्यूज ⏭ बस्तर

करलाकोंटा स्थित माता हिंगलाजिन मंदिर में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर अष्टमी और नवमी पर्व पर हवन-पूजन एवं भंडारा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल अपनी पत्नी के साथ पहुंचे और हवन में बैठकर विधि-विधान से आहुति दी। उन्होंने माता की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। विधायक को अपने बीच पाकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखा गया। लोगों ने उत्साह से उनका अभिवादन किया और मिलकर प्रशंसा जताई। ग्रामीणों ने विधायक से आत्मीयता से मुलाकात की और क्षेत्र के विकास को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त की। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। बड़ी संख्या में ग्रामीणों सहित आसपास के क्षेत्रों के लोग माता हिंगलाजिन के दर्शन करने पहुंचे। श्रद्धालुओं ने हवन में आहुति दी और पूजा-अर्चना के बाद भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। सैकड़ों की संख्या में लोगों ने माता के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा। माता के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। मंदिर समिति द्वारा भंडारे की उत्तम व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी सहित कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण जिला अध्यक्ष प्रेम शंकर शुक्ला, इंद्रावती बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष लखेश्वर कश्यप ,नगर पंचायत उपाध्यक्ष अनिल परिहार, पार्षद नरसिंग नागेश सहित मंदिर समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

पोड़ागुड़ा में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का विधायक और सांसद ने किया शुभारंभ



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के नानगुर मंडल के ग्राम पोड़ागुड़ा पंचायत में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव एवं सांसद महेश कश्यप ने विधिवत पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होगी।आयुष्मान आरोग्य मंदिर में लोगों को समय पर स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। आसपास के लोगों को भी इसका लाभ होगा। स्वास्थ्य को लेकर सरकार संवेदनशील होकर लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने प्रयासरत हैं। सांसद ने कहा क्षेत्र की जनता को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष पदलाम नाग, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम कश्यप, सुब्रतो विश्वास,मंडल अध्यक्ष हरिराम, लखीधर बघेल, जनपद सदस्य नरेन्द्र बघेल, सरपंच मनदेव बघेल, सरपंच रैदूराम , पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष नीलाम्बर सेठिया, महामंत्री चंद्रकांत सेठिया,मनोहर दत्त तिवारी, रधु सेठिया,सुरेश बघेल, सुखलाल, बुटी राम, रोहित पंत, नरेन्द्र पांडे,कमल कुमारी, पार्वती शर्मा, फूलकुमारी, करूणा, आसमती, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय बसाक एवं क्षेत्र के कार्यकर्ता, क्षेत्रवासी एवं अन्य उपस्थित थे।

बस्तर सांस्कृतिक सुरक्षा मंच की बैठक में दशहरा में सेवा एवं सुरक्षा का संकल्प

जगदलपुर। नगर के शांति नगर स्थित दुर्गा मंदिर में बस्तर सांस्कृतिक सुरक्षा मंच की बैठक की गई। बैठक में बस्तर संभाग के विभिन्न प्रखंडों से आए सदस्यों एवं युवाओं ने सहभागिता की। बैठक में दशहरा के पारंपरिक रीति-रिवाजों, मां दंतेश्वरी की सेवा तथा विभिन्न रस्मों में सहयोग एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने पर सहमति व्यक्त की गई। रामनाथ कश्यप ने कहा कि दशहरा हमारी समृद्ध परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। पूर्व में जिस प्रकार सभी समाजों की सहभागिता से दशहरा की परंपराएं निभाई जाती थीं, उसी प्रकार हमें आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ आगे बढ़कर कार्य करना होगा।हरि साहू ने कहा कि दशहरा में विभिन्न समाजों के लोगों का स्वेच्छा से आगे आना प्रसन्नता का विषय है। हम सभी मिलकर बस्तर में आने वाले देवी-देवताओं के पुजारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए सेवा कार्य करेंगे।मुन्ना बजरंगी ने कहा कि दशहरा विश्वप्रसिद्ध पर्व है, जो हमारी विशिष्ट संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाता है। आज भले ही दशहरा के आयोजन में प्रशासनिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण भूमिका हो, लेकिन इसकी मूल आत्मा हमारी पारंपरिक मान्यताओं, रीति-रिवाजों और सामाजिक सहभागिता में निहित है। इन परंपराओं एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने के लिए हम सभी को आगे आकर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।बैठक में जगदलपुर,नानगूर, बस्तर, मानपुरी,दरभा, बस्तानार, लोहंडीगुड़ा, नगरनार, बकावंड सहित विभिन्न क्षेत्रों से युवा उपस्थित रहे। सभी ने बस्तर दशहरा के मावली परघाव एवं अन्य पारंपरिक रस्मों के दौरान सहयोग और सुरक्षा की दृष्टि से अपनी सेवाएं देने पर सहमति जताई।मंच द्वारा जल्द ही एक विशेष टीम का गठन कर सभी वॉलंटियर्स को उनकी योग्यता एवं आवश्यकता के अनुसार दायित्व सौंपे जाएंगे, ताकि सभी सदस्य आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें।बैठक में आगामी मावली परघाव के दिन दोपहर 1 बजे दुर्गा मंदिर, शांति नगर, जगदलपुर में अगली बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया। इस बैठक में सभी वॉलंटियर्स को उनकी जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी तथा सेवा एवं सुरक्षा संबंधी कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया जाएगा।बस्तर सांस्कृतिक सुरक्षा मंच सदैव बस्तर की संस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक अस्मिता के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध रहा है और भविष्य में भी इसी संकल्प के साथ कार्य करता रहेगा।

सवा किलो चांदी से निर्मित रजत छत्र माता को समर्पित

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर







- पुलिस अधीक्षक ने सपरिवार किए हिंगलाजिन माता के दर्शन

पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने आज सपरिवार रियासत कालीन प्राचीन हिंगलाजिन माता मंदिर, बेड़ागांव, पहुंचकर माता के दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने बस्तर की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मंदिर की धार्मिक परंपरा और आस्था से जुड़े एक विशेष आयोजन के अंतर्गत दशहरे सहित अन्य धार्मिक कार्यक्रमों में माता के प्रतीक स्वरूप निकाले जाने वाले छत्र को नया स्वरूप प्रदान किया गया। अनेक वर्षों के बाद सवा किलो चांदी से निर्मित भव्य रजत छत्र को पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा एवं मंदिर के अध्यक्ष एवं संरक्षक अजय सिंह बैस द्वारा माता को समर्पित किया गया। छत्र के मंदिर पहुंचने पर ग्रामीणों, पुजारियों एवं सेवादारों ने बाजे-गाजे और हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया तथा धार्मिक उत्साह के बीच उसे मंदिर तक ले जाया गया। ग्रामीणों, पुजारियों एवं सेवादारों में उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर डी पी देवांगन, भरत देवांगन, लखन कश्यप चंद्रसेना दीवान, गजाधर पुजारी, चैन पुजारी, रामनाथ कश्यप, डोलहा, सेवादार, मांझी मुखिया चालकी, ग्रामीण उपस्थित रहे।

नवरात्रि पर्व पर पंडालों व मंदिरों में पहुंचे सरपंच भरत



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

नवरात्रि पर्व के दौरान भाजपा मिडिया प्रभारी व ग्राम गढ़िया के सरपंच भरत कश्यप तोकापाल ब्लाक के ग्राम सिरीसगुड़ा, कोंडालूर, टिकराधनोरा, छापरभानपुरी तथा सिंगनपुर में पंडाल तथा मंदिर में पहुंचे जहां उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। माता के दर्शन के साथ उन्होंने क्षेत्रवासियों एवं आयोजन समिति के युवाओं से मुलाकात किया। सरपंच ने कहा कि बस्तर की धरती और जनमानस भक्ति के रस से सराबोर है , नवरात्रि का पर्व हमें ऊर्जा और शक्ति से भर देता हैं। इस दौरान अजय बघेल,पीलूराम बघेल, निरंजन बघेल, तुलसी सेठिया, मनोज साहू, सोनसिंह सेठिया सहित अन्य उपस्थित थे।

हवन के बाद महाभंडारा, एक क्विंटल आटे की पूरी और खीर का वितरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नकुलनार

- नवमीं पर मां दुर्गा की आराधना में जुटे ग्रामवासी, कन्या भोज के साथ भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर नकुलनार के महाराणा प्रताप चौक स्थित दुर्गा पंडाल में नवमी तिथि पर विधि-विधान के साथ हवन-यज्ञ और महाभंडारे का आयोजन किया गया। सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले हवन-यज्ञ में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच ग्रामवासियों ने आहुतियां अर्पित कर मां दुर्गा से सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद गांव की कन्याओं को भोज कराया गया और श्रद्धालुओं के बीच महाभंडारे का प्रसाद वितरित किया गया। पूरे आयोजन के दौरान पंडाल में भक्तिमय माहौल बना रहा।



दुर्गा समिति द्वारा ग्रामवासियों के सामूहिक सहयोग से आयोजित महाभंडारे में एक क्विंटल आटे की पूड़ियां तैयार की गईं। श्रद्धालुओं के लिए खीर और छोले की सब्जी भी बनाई गई। हवन-यज्ञ के पश्चात प्रसाद वितरण शुरू हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ दूर-दराज से पहुंचे देवी भक्तों ने भी प्रसाद ग्रहण किया। महाभंडारे में श्रद्धालुओं की लगातार आवाजाही बनी रही।

ग्रामीणों ने सामूहिक सहयोग से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम की सराहना की। आयोजन में गांव के युवाओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। समिति के सदस्यों और नवयुवकों के सहयोग से नवरात्रि के पहले दिन से ही दुर्गा पंडाल में धार्मिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और सेवा कार्यों के चलते गांव में उत्सवी माहौल बना रहा।

नकुलनार के महाराणा प्रताप चौक स्थित दुर्गा पंडाल में केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि सेवा कार्यों पर भी विशेष ध्यान दिया गया। मां दंतेश्वरी के दर्शन के लिए पदयात्रा करते हुए निकलने वाले श्रद्धालुओं के लिए समिति की ओर से रुकने-ठहरने, भोजन और चिकित्सा की व्यवस्था की गई थी। इससे पदयात्रियों को यात्रा के दौरान आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हुईं। समिति के इस सेवा कार्य में ग्रामवासियों ने भी सहयोग दिया।

आज होगी मां दुर्गा की विदाई

नवरात्रि के समापन के साथ नकुलनार में मां दुर्गा की विदाई की तैयारियां भी पूरी कर ली गई हैं। आयोजन समिति के अनुसार, मंगलवार को सुबह 10 बजे से माता की शोभायात्रा निकाली जाएगी। गांव की महिलाएं पूजा के कलश के साथ शोभायात्रा में शामिल होंगी। शोभायात्रा पूरे गांव का भ्रमण करेगी। इस दौरान गाजे-बाजे, रंग-गुलाल और आतिशबाजी के साथ माता को विदाई देने की तैयारी है। 9 दिनों तक चले धार्मिक आयोजनों के समापन पर श्रद्धालु मां दुर्गा से सुख-समृद्धि और गांव की खुशहाली की कामना करते हुए उन्हें विदाई देंगे। आयोजन को लेकर समिति के सदस्य और युवा तैयारियों में जुटे हुए हैं।

दुर्गा पूजा और गरबा आयोजन में अश्लील फिल्मी गाने बजाने के मामले में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



- सक्षम ने सौंपा कोतवाली थाना प्रभारी को लिखित शिकायत

सनातन क्षेत्रीय मंच (सक्षम)के जिला अध्यक्ष शुभम गुप्ता ने 18 अक्टूबर को शहर के शुभ लगन वाटिका में आयोजित दुर्गा पूजा एवं गरबा कार्यक्रम के दौरान फिल्मी गाने बजाए जाने के मामले में कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कोतवाली थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच, प्राथमिकी दर्ज करने तथा जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि गरबा मां दुर्गा की आराधना और श्रद्धा से जुड़ा पवित्र धार्मिक आयोजन है। ऐसे कार्यक्रम में मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष लैला मैं लैला और कहो ना प्यार है जैसे फिल्मी गाने बजाए जाने से धार्मिक आयोजन की गरिमा एवं मर्यादा प्रभावित हुई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं और बच्चे उपस्थित थे, इसलिए आयोजकों से धार्मिक परंपराओं और सामाजिक मर्यादाओं के प्रति संवेदनशील रहने की अपेक्षा थी। शुभम गुप्ता ने आरोप लगाया कि आयोजन समिति के अध्यक्ष नवीन बोथरा को पिछले 3 वर्षों से गरबा कार्यक्रम में अश्लीलता से बचने तथा आयोजन की धार्मिक मर्यादा बनाए रखने के संबंध में समझाइश दी जाती रही है, लेकिन उनके अनुसार इन बातों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यक्रम में गैर-हिंदुओं को आमंत्रित किए जाने को लेकर भी आपत्ति जताई जाती रही है। सक्षम का कहना है कि धार्मिक आयोजन की पवित्रता, परंपरा और मर्यादा बनाए रखने के लिए आयोजकों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। हालांकि, किसी व्यक्ति की धार्मिक पहचान के आधार पर उसे बाहर रखने के बजाय कार्यक्रम के नियम सभी प्रतिभागियों पर समान रूप से लागू होने चाहिए तथा किसी भी आरोप की पुष्टि तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर होनी चाहिए।

वीडियो साक्ष्य के आधार पर जाँच की मांग

गुप्ता ने बताया कि 18 अक्टूबर को हुई घटना से संबंधित वीडियो साक्ष्य सुरक्षित है, जिसे पुलिस को भेजा गया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से वीडियो की जांच कर आयोजन समिति के अध्यक्ष, संबंधित पदाधिकारियों एवं डीजे संचालक की भूमिका की पड़ताल करने की मांग की है। उन्होंने आवेदन में भारतीय न्याय संहिता 296,299,300 और 302 की संबंधित धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि धार्मिक आयोजनों में श्रद्धालुओं की भावनाओं और सामाजिक सौहार्द का सम्मान किया जाना चाहिए। पुलिस प्रशासन को उपलब्ध साक्ष्यों एवं घटना की वास्तविक परिस्थितियों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय लेना चाहिए। सक्षम ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोष सिद्ध होने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में धार्मिक आयोजनों की गरिमा और मर्यादा बनी रहे।





